पत्र सूचना शाखा
(मुख्यमंत्री सूचना परिसर)
सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग, उ0प्र0

उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री माननीया सुश्री मायावती जी द्वारा लोकार्पण किये गये राष्ट्रीय दलित प्रेरणा स्थल व ग्रीन गार्डेन एवं अन्य जन–उपयोगी परियोजनाओं का संक्षिप्त परिचय

नोएडा में लोकार्पण समारोह

लखनऊ, 14 अक्टूबर, 2011

उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री माननीया सुश्री मायावती जी ने आज नोएडा में आयोजित एक लोकार्पण समारोह में समय–समय पर दलित एवं पिछड़े वर्गों में जन्मे सन्तों, गुरूओं व महापुरूषों के सम्मान में अपनी सरकार द्वारा बनवाये गये राष्ट्रीय दलित प्रेरणा स्थल व ग्रीन गार्डेन के लोकार्पण किया। उन्होंने इस अवसर पर करोड़ों रूपये की लागत से तैयार की गयी विभिन्न जन–उपयोगी परियोजनाओं भी लोकार्पण किया। इनका **संक्षिप्त विवरण** प्रस्तुत किया जा रहा है।

1. नोएडा के सेक्टर–95 में राष्ट्रीय दलित प्रेरणा स्थल एवं ग्रीन गार्डेन यमुना नदी के किनारे 3.32 लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल में निर्मित यह ऐतिहासिक धरोहर अनुसूचित जाति/जनजाति एवं अन्य पिछड़े वर्गों में जन्में महान सन्तों, गुरूओं व महापुरूषों के आदर–सम्मान में बनाया गया है। यह प्रेरणा स्थल हरित पट्टिका में चयनित क्षेत्र को उच्चीकृत कर विकसित पार्क में एक सेन्ट्रल पार्क प्लाजा है, जिसमें 39 मीटर ऊँचा मुख्य स्तूप और 04 छोटे स्तूप बनाये गये हैं। मुख्य स्तूप में 03 महान विभूतियों की कांस्य प्रतिमायें स्थापित की गयी हैं। इसीप्रकार छोटे स्तूपों में महान विभूतियों का जीवन परिचय दर्शाते हुए ब्रान्ज के म्यूरल बनाये गये हैं। मुख्य स्तूप के दोनों तरफ 20 सैन्ड–स्टोन के एलीफैन्ट स्कल्पचर ग्रेनाइट के पैडस्टल पर स्थापित हैं।

   पार्क के मध्य भाग में भारत के संविधान निर्माता परम् पूज्य भारत रत्न डॉ0 भीमराव अम्बेडकर प्लाजा के अन्तर्गत ब्रान्ज निर्मित उनकी 18 फीट ऊँची स्टैच्यू स्थापित की गयी है। पार्क के एक हिस्से में कॉलम प्लाजा, जिसमें 35 मीटर ऊँचा ग्रेनाइट का मुख्य स्तम्भ और उसके चारों तरफ 11 महान संतों की ब्रान्ज की 18 फीट ऊँची प्रतिमायें स्थापित हैं। पार्क में 75 प्रतिशत क्षेत्रफल में वृक्षारोपण एवं साफ्ट लैन्ड स्कैप का कार्य किया गया है और केवल 25 प्रतिशत

भूमि पर भवन आदि का निर्माण किया गया है। इसके अलावा चबूतरे (हार्ड लैण्ड स्कैप) आदि का निर्माण भी किया गया है। उद्यान में विभिन्न प्रजाति के 7500 पेड़ और लगभग डेढ़ लाख स्रब लगाई गयी हैं। यह पार्क पर्यटन की दृष्टि से आंगतुकों के लिए आकर्षण का केन्द्र (गेटवे टू नोएडा) होगा।

2. नोएडा सेक्टर–30 में स्थित 80 बेड मल्टीस्पेशलिस्ट के जिला अस्पताल को 60 करोड़ की लागत से आधुनिक बनाने के साथ ही उसका सुदृढ़ीकरण किया गया है। इसके अतिरिक्त लगभग 3500 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में 8 मंजिला ऊँचा अटेन्डेन्ट ब्लाक का भी निर्माण किया गया है। इस पूरी तरह से वातानुकूलित अस्पताल में गरीब एवं आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को उच्च स्तर के इलाज की व्यवस्था होगी। द्वितीय चरण में इस अस्पताल के परिसर में 300 बेड का मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल भी शीघ्र क्रियाशील हो जाएगा। इस अस्पताल को बनाने में यहां के गरीब लोगों को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की चिकित्सकीय सुविधायें बहुत कम दरों पर मिल सकेगी।

3. नोएडा के सेक्टर–91 में 233 करोड़ रूपये की लागत से पंचशील बालक इण्टर कालेज का निर्माण कराया गया है, जिसमें 1230 छात्रों के रहने के लिए छात्रावास की व्यवस्था है।

4. नोएडा के सेक्टर–44 में लगभग 233 करोड़ की लागत से महामाया बालिका इण्टर कालेज का निर्माण कराया गया है, जिसमें लगभग 1300 छात्राओं के रहने के लिए छात्रावास की व्यवस्था है। इसके साथ ही पूरे टीचिंग स्टॉफ के रहने हेतु कालेज कैम्पस में ही आवासीय सुविधा उपलब्ध करायी गयी है। इन दोनों कालेज में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के गरीब छात्र एवं छात्राओं को कर्म खर्च पर उच्च स्तर की शिक्षा प्राप्त होगी।

5. नोएडा में ही लगभग 43 करोड़ रूपये की लागत से मास्टर प्लान मार्ग संख्या–1 पर 172 मीटर लम्बा रजनीगन्धा चौराहा अण्डरपास बनाया गया है, जिससे नोएडा से डी0एन0डी0 होते हुए दिल्ली आने–जाने वाली जनता को अत्याधुनिक सुविधा तथा रोज लगने वाले जाम से निजात मिलेगी। शीघ्र ही सेक्टर–37 व 44 चौराहे का अण्डरपास का निर्माण भी पूर्ण कर लिया जायेगा, जिससे नोएडा से कालिंदी कुन्ज होते हुए दिल्ली आने–जाने वाली जनता को अत्यधिक सुविधा तथा ट्रैफिक जाम से छुटकारा मिलेगा।

6. कु0 मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बादलपुर के नव–निर्मित **शिक्षा संकाय** पर 261 लाख रूपये के व्यय किये गये हैं।

7. कु0 मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बादलपुर के **वाणिज्य संकाय** पर 130.15 लाख रूपये के व्यय किये गये हैं।

8. कु0 मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बादलपुर के **विज्ञान संकाय** पर 227 लाख रूपये व्यय किये गये हैं।

9. बादलपुर स्थित गौतमबुद्ध पार्क बनाया गया है, जिसमें महात्मा गौतमबुद्ध की 18 फीट ऊंची मूर्ति स्थापित की गयी है। पार्क में वाटर बॉडी, फव्वारे आदि का निर्माण किया गया है। पार्क के अन्दर चारों ओर पैदल मार्ग बनाया गया है। इसके अलावा पार्क में बाउण्ड्रीवाल एवं जनसुविधा हेतु टॉयलेट ब्लॉक का निर्माण किया गया है। पार्क में विभिन्न प्रजातियों के वृक्ष एवं खुले क्षेत्र में घास लगायी गयी है। यह पार्क लगभग 40,600 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में बनाया गया है। इसके निर्माण पर 47.90 करोड़ रूपये की लागत आयी है।

10. बाबा साहेब डॉ0 भीमराव अम्बेडकर पार्क लगभग 01 लाख वर्ग मीटर क्षेत्रफल में बनाया गया है और इस पर 101.50 करोड रूपये की धनराशि व्यय हुई है। इस पार्क में बाबा साहेब डॉ0 भीमराव अम्बेडकर जी की 18 फीट ऊंची एक मूर्ति स्थापित की गयी है। पार्क में वाटर बॉडी, फव्वारे आदि का निर्माण भी किया गया है। पार्क के चारो ओर पैदल मार्ग बनाया गया है, जिसमें चारो स्थानों पर बाबा साहेब डॉ0 भीमराव अम्बेडकर, माननीया मुख्यमंत्री सुश्री मायावती जी, रमाबाई अम्बेडकर एवं मान्यवर श्री कांशीराम जी की मूर्तियां लगायी गयी हैं। पार्क में बाउण्ड्रीवाल, प्रशासनिक भवन एवं जनसुविधा हेतु टॉयलेट ब्लॉक का निर्माण किया गया है। पार्क में विभिन्न प्रजातियों के वृक्ष एवं खुले क्षेत्र में घास लगायी गयी है।

11. डॉ0 भीमराव अम्बेडकर हेली–पैड–बादलपुर का निर्माण लगभग 20200 वर्ग मीटर में किया गया है। हेलीपैड में बाउण्ड्रीवाल, कॉटेज, वाच टॉवर्स, गार्डरूम आदि का निर्माण किया गया है। इस कार्य की कुल लागत 20.50 करोड़ रूपये है।

12. विद्यार्थियों के सांस्कृतिक कार्यक्रमों, सभा आदि के लिए कुल 01 हजार की क्षमता के गौतमबुद्ध बालक इण्टर कॉलेज का प्रेक्षागृह, ग्रेटर नोएडा का निर्माण सितम्बर, 2011 में पूर्ण किया गया। इस पर 9.75 करोड़ रूपये की लागत आयी है।

13. ग्रेटर नोएडा में ही 01 हजार क्षमता का सावित्रीबाई फुले बालिका इण्टर कालेज का प्रेक्षागृह का निर्माण सितम्बर, 2011 में पूर्ण किया गया है, जिस पर 975 करोड़ रूपये की लागत आयी है।

14. ग्रेटर नोएडा में ही गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के वाह्य आगन्तुकों, विद्यार्थियों के अभिभावकों को ठहरने के लिए गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय गेस्ट हाउस का निर्माण किया गया है। इस भवन में 100 नग सुसज्जित कमरें बनाये गये हैं। इसके अतिरिक्त इस भवन में 50 व्यक्तियों की क्षमता का एक सभाकक्ष भी है और इस पर लगभग 26.07 करोड़ रूपये की धनराशि व्यय की गयी है।

15. गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय परिसर में 370 छात्राओं हेतु महामाया महिला छात्रावास का निर्माण किया गया है। इस छात्रावास में प्रत्येक छात्रा हेतु अलग–अलग कमरें की व्यवस्था की गयी है। छात्रावास के समीप डाइनिंग हॉल का भी निर्माण कराया गया है। इस छात्रावास का निर्माण जुलाई, 2011 में पूर्ण किया गया है और इस पर कुल 22 करोड़ रूपये की धनराशि व्यय हुई है।

16. गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय परिसर में 241 छात्रों हेतु गुरू घासीदास पुरूष छात्रावास का निर्माण किया गया है। इस छात्रावास में प्रत्येक छात्र हेतु अलग–अलग कमरें की व्यवस्था की गयी है। छात्रावास के समीप डाइनिंग हॉल का भी निर्माण कराया गया है। इस छात्रावास का निर्माण जुलाई, 2011 में पूर्ण किया गया है और इस पर कुल 16 करोड़ रूपये की धनराशि व्यय हुई है।

17. गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय परिसर में 246 छात्रों हेतु बिरसामुण्डा पुरूष छात्रावास का निर्माण किया गया है। इस छात्रावास में प्रत्येक छात्र हेतु अलग–अलग कमरें की व्यवस्था की गयी है। छात्रावास के समीप डाइनिंग हॉल का भी निर्माण कराया गया है। इस छात्रावास का निर्माण जुलाई, 2011 में पूर्ण किया गया, और इस पर कुल 16.03 करोड़ रूपये की धनराशि खर्च की गयी है।

18. गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय परिसर में ही 350 छात्रों हेतु सन्त कबीरदास पुरूष छात्रावास का निर्माण किया गया है। इस छात्रावास में प्रत्येक छात्र हेतु अलग–अलग कमरें की व्यवस्था की गयी है। छात्रावास के समीप डाइनिंग हॉल का भी निर्माण कराया गया है। इस छात्रावास का निर्माण जुलाई, 2011 में पूर्ण किया गया है और इस पर कुल 24.05 करोड़ रूपये की धनराशि खर्च की गयी है।

19. ग्रेटर नोएडा में 17.80 करोड़ रूपये की लागत से मान्यवर श्री कांशीराम मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल के प्रशासनिक कार्यों के सम्पादन हेतु परिसर में ही प्रशासनिक भवन का निर्माण किया गया है। भवन का निर्माण कार्य जनवरी, 2011 में पूरा किया गया है।

20. 45 करोड़ रूपये की लागत से सेक्टर 62, नोएडा में 500 सीटों का अनुसूचित जाति जनजाति महिला छात्रावास का निर्माण अन्तिम चरण में है, जिसमें 500 अध्ययनरत/कार्यरत महिलाओं के रहने की व्यवस्था होगी। इस परियोजना से क्षेत्र की अनुसूचित जाति/जनजाति की छात्राओं/महिलाओं की नोएडा में रहने की समस्या का समाधान हो सकेगा तथा छात्रावास में रहने से उनकी शिक्षा के स्तर में भी सुधार होगा।

———————

PN-CM-Noida-14-10-2011